# सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 208 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 4 सितम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

लोगों की खुशी के लिए पहली आवश्यकता धर्म का अंत है।
-कार्ल मार्क्स


एशिया कप टीम से ही छंटेगी... 7 | चुनाव आते ही चले जाने लगे फ्री... 3 | घोसी की जनता भाजपा को... 2


## योगी सरकार को नींद से उठाने को जगी अदालत

# महिला सिपाही के साथ निर्मम वारदात ध्वस्त हुआ यूपी में कानून का राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानून व्यवस्था पर बड़े-बड़े दावे करने वाली योगी सरकार की पुलिस ही अब दबंगों की शिकार बन जा रही है। उससे भी शर्मनाक यह कि सरकार इतनी बड़ी वारदात के बाद भी सोई रही। उसको नींद से जगाने के लिए हाईकोर्ट को रात में जागना पड़ा। दरअसल अयोध्या जा रही सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में महिला सिपाही के साथ दरिंदगी हुई थी जिस पर अदालत ने स्वत संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को फटकारते हुए कोर्ट से उससे जवाब तलब किया है।

उत्तर प्रदेश में अयोध्या जा रही सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में महिला सिपाही के साथ दरिंदगी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका कायम की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले पर गहरी नाराजगी जताई है।

### इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज ने रात में अपने घर में की सुनवाई, आज सीजे कोर्ट में बहस

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में सुओ मोटो लेकर रविवार को छुट्टी के दिन रात के वक्त सुनवाई की है। मामले में चीफ जस्टिस के आवास पर बैठी स्पेशल बेंच ने सुनवाई करते हुए रेलवे और यूपी सरकार जवाब तलब किया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने इस मामले में दायर याचिका पर एक बार फिर से आज दोपहर 12 बजे सुनवाई करेगा। फिलहाल कल रात हुई सुनवाई के दौरान जांच से जुड़े किसी सीनियर अफसर को भी आज हाईकोर्ट में पेश होने को कहा है।

### ट्रेन में खून से लथपथ थी महिला सिपाही

निर्मम हालत में ट्रेन में मिली महिला सिपाही की पहचान प्रयागराज जिले के सोरांव क्षेत्र की निवासिनी के रूप में हुई है। वह 1998 बैच की महिला सिपाही है। वह सुल्तानपुर में तैनात है। सावन मेला की ड्यूटी करने वह अयोध्या आ रही थी। इस दौरान उसके साथ बर्बर घटना घटी। जानकारी मिलने पर रेलवे पुलिस उसे इलाज के लिए पहले अयोध्या के श्रीराम चिकित्सालय ले गई और फिर बिगड़ी हालत के कारण उसे लखनऊ के ट्रामा सेंटर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक महिला सिपाही के साथ घटना क्या और कैसे घटी इसका खुलासा उसके होश में आने के बाद ही होगा।

जो इस मामले में अब तक हुई कार्रवाई का ब्यौरा हाईकोर्ट को देगा। इसके साथ ही राज्य सरकार को इस मामले में अब तक आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी हो पाई या नहीं इस मामले में जानकारी देनी होगी।। रात आठ बजे मुख्य न्यायाधीश के आवास पर अदालत लगाई गई। दोपहर करीब सवा तीन बजे इस मामले से जुड़ा एक संदेश मुख्य न्यायधीश प्रीतिंकर दिवाकर के व्हाट्सएप आया। मुख्य न्यायाधीश ने मामले का संज्ञान लेते हुए रात आठ बजे अपने आवास पर अदालत लगाने का फरमान जारी कर दिया।

### हाईकोर्ट को भेजी गई थी पत्र याचिका

हाईकोर्ट में राज्य सरकार के शासकीय अधिवक्ता आशुतोष कुमार संड ने बताया कि इस मामले को लेकर अधिवक्ता राम कौशिक ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र याचिका प्रेषित की थी। कोर्ट ने पत्र याचिका का संज्ञान लिया है। रेलवे और अयोध्या के पुलिस अधिकारियों को पूरी जानकारी के साथ बुलाया गया है।

# घोसी में वोटरों को धमका रहे हैं थानेदार व सीओ : शिवपाल

» आईजी से मिले सपा नेता बोले- बेईमानी से उपचुनाव जीतना चाहती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के मऊ की घोसी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए कल 5 सितंबर को मतदान होना है। इससे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने सत्ता पक्ष पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया है, सपा नेता ने इस संबंध में आईजी रेंज से मुलाकात की और आरोप लगाया कि थानेदार और सीओ मोहल्लों में जाकर मतदाताओं को धमका रहे हैं, बीजेपी बेईमानी से चुनाव जीतना चाहती है, मतदाताओं को वोटिंग से न रोका जाए।

सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि हमें कई तरह की शिकायतें मिल रही है, थानेदार और सीओ मोहल्लों में जाकर वोटरों को धमका रहे हैं, वो वोटरों को रोक रहे हैं, हम चाहते हैं कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव हों, मतदाताओं में टेरर न फैलाया जाए, इस तरह से वोटिंग कम होगी, उन्होंने कहा कि यहां पर सरकार का प्रेशर है कि कम से कम मतदान हो. अल्पसंख्यक और मुस्लिम मतदाताओं का काम वोट पड़े, इस तरह से निष्पक्ष चुनाव नहीं हो पाएंगे, सपा नेता ने कहा कि वो इस संबंध में चुनाव आयोग से भी मिलने जा रहे हैं, उनसे भी शिकायत करेंगे।

### बीजेपी को हार से लग रहा डर

शिवपाल यादव ने कहा कि बीजेपी को हार से डर लग रहा है तभी तो वो बेईमानी से चुनाव जीतना चाहते हैं, हम यहां इसलिए आए हैं कि अगर कहीं भी सपा नेताओं को परेशान किया जाएगा तो हम ऐसा नहीं होने देंगे, जो सपा के कार्यकर्ता है बूथ पर है और जो भी वोट को न रोका जाए, इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर झूठ बोलने का भी आरोप लगाया और कहा कि डिप्टी सीएम तो खुद होटलों में बैठकर यही काम कर रहे है, घोसी से मऊ तक होटल में बैठकर लोगों को पैसा भी बांटा गया है और पैसे बांटने के साथ कोटा डीलर, प्रधान, समासद को बुलाकर धमकाया भी है.।

# विशेष सत्र को लेकर 'इंडिया' कल बनाएगी रणनीति

» कांग्रेस नेताओं के साथ सोनिया गांधी करेंगी अहम बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (आई.एन.डी.आई.ए.) पार्टियों ने अपनी मुंबई बैठक के दौरान आगामी लोकसभा चुनाव 2024 संयुक्त रूप से लड़ने के अपने संकल्प की घोषणा की। इस कदम का उद्देश्य एक संयुक्त मोर्चा प्रस्तुत करना और सार्वजनिक चिंता के मुद्दों को प्राथमिकता देना है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी संसद के विशेष सत्र की रणनीति पर चर्चा करने के लिए 5 सितंबर को कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक की अध्यक्षता करने वाली हैं। सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक पांच दिनों के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद के विशेष सत्र पर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, कल हम संसदीय रणनीति समूह की बैठक बुला रहे हैं और कांग्रेस अध्यक्ष समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों की बैठक भी बुला रहे हैं। हम संसद सत्र के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा करेंगे। आपको बता दें कि संसद के विशेष सत्र को लेकर राजनीति तेज है।

### इस सत्र का कोई औचित्य नहीं : अधीर

कांग्रेस नेता और सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हमें अभी तक इस पर कोई जानकारी नहीं मिली है। संसद उनकी (केंद्र) अपनी मर्जी से चल रही है। जब शीतकालीन सत्र होना ही था तो इस सत्र को बुलाने की क्या आपात स्थिति थी?

### भाकपा ने की राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के सांसद बिनॉय विश्वम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर संसद के आगामी विशेष सत्र के दौरान प्रश्नकाल और शून्य काल नहीं होने को लेकर चिंता जताई। उन्होंने राष्ट्रपति से मामले में हस्तक्षेप करने और 'संविधान का संरक्षण, सुरक्षा और रक्षा करने" की अपील की। राज्यसभा सदस्य ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा है कि संविधान के तहत परिकल्पित नियंत्रण एवं संतुलन की प्रणाली 'बड़े खतरे' में है। भाकपा सांसद ने दावा किया, "विशेष सत्र के साथ, सरकार यह संदेश देना चाहती है कि 'संसद में बहुमत ने उसे संसदीय प्रणाली को पूरी तरह से खत्म करने में सक्षम बना दिया है।

# घोसी की जनता भाजपा को सिखाएगी सबक : अखिलेश

**» जनता से अपील- किसी के दबाव में आकर न करें वोट**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को मऊ जिले की घोसी सीट पर होने वाले उपचुनाव में मतदाताओं से समूह में जाकर वोट करने की अपील की है। अखिलेश यादव ने अपने संदेश में कहा कि आज से पहले पूरे देश में घोसी कभी भी इतना चर्चा में नहीं रहा जितना इस समय है क्योंकि महंगाई, भ्रष्टाचार और अत्याचार से पीड़ित देश भर की जनता को लग रहा है कि घोसी की जनता भाजपा को हराकर पूरे देश को एक संदेश देगी कि दल-बदल करने वाले नेताओं को अब वो खुलकर हराएगी और विधायकों को खरीदने वाली भाजपा को एक सबक सिखाएगी।

जनता उसी को चुनेगी जो दुख-दर्द में उनके साथ खड़ा होता है और जनता के काम भी आता है। उन्होंने जनता को संदेश जारी कर कहा कि किसी दबाव में आकर वोट न करें और अगर कोई दबाव बनाए तो उसका वीडियो बनाकर सपा कार्यकर्ताओं को सूचित करें। अखिलेश यादव ने कहा कि सिर्फ मतदान ही नहीं उसके बाद भी 8 सितंबर को परिणाम आने तक चौकन्ना रहकर अपने डाले गए मतों की चौकसी-निगरानी करें और जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही वापस आएं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जीत सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह की नहीं जनता की होगी। घोसी सीट पर उपचुनाव के लिए 5 सितंबर को मतदान होगा।

### सपा प्रत्याशी की भाजपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की शिकायत

भाजपा ने घोसी विधानसभा क्षेत्र के लिए हो रहे उप चुनाव में सपा उम्मीदवार द्वारा मतदाताओं को पैसा बांटने का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर शिकायत की है कि रविवार को चुनाव प्रचार का अंतिम दिन होने की वजह से सपा उम्मीदवार द्वारा मुस्लिम और दलित बहुल बूथों और गांवों में पैसा बांटा जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि पैसा बांटने में सपा का पूरा स्थानीय संगठन जुटा हुआ है। उन्होंने पत्र में तीन दर्जन से अधिक गांवों के नाम का उल्लेख करते हुए लिखा है कि इन गांवों में पैसा बांटने के साथ ही लोगों को सपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालने के लिए धमकी भी दी जा रही है, जिससे माहौल खराब होने की संभावना है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मऊ के पुलिस अधीक्षक को इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करने के लिए निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया है।

# राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी दिनेश शर्मा कल करेंगे नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में राज्यसभा की रिक्त हुई सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक राज्यसभा उपचुनाव के लिए 5 सितंबर नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है और 6 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 8 सितंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। आयोग के मुताबिक 15 सितंबर को चुनाव होगा। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच मतदान और शाम 5 बजे मतगणना होगी। उसी दिन परिणाम घोषित होगा।पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने रविवार को डॉ. शर्मा को उम्मीदवार बनाए जाने का एलान किया। शर्मा मौजूदा समय में विधान परिषद के सदस्य हैं और इनका कार्यकाल 30 जनवरी 2027 तक है। राज्यसभा की यह सीट भाजपा सांसद हरद्वार दूबे के निधन से खाली हुई थी। बीते जून में दूबे का निधन हो गया था ।

चुनाव आयोग 29 अगस्त को ही इस सीट पर चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दिया है। बता दें कि बलिया के रहने वाले हरद्वार दूबे 26 नवंबर 2020 में राज्यसभा सांसद बने थे, लेकिन बीमारी की वजह से उनका इसी साल 26 जून को निधन हो गया था। इसके बाद आयोग ने इस सीट पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी की थी। पेशे से शिक्षक डॉ. दिनेश शर्मा योगी सरकार में 2017 से 2022 तक उप मुख्यमंत्री के तौर पर माध्यमिक व उच्च शिक्षा के अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की भी जिम्मेदारी देख चुके हैं।

# घोसी उपचुनाव में जीतेगा कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार : अजय राय

**» सभी नेता प्रचार में जुटे**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दावा किया कि घोसी उपचुनाव पर हमारी पूरी नजर है। प्रदेश स्तर से लेकर आसपास के जिलों के सभी हमारे नेता घोसी में प्रचार कर रहे हैं। वहां के प्रभारी से लेकर अन्य नेता मैदान में डटे हैं। गाजीपुर, बलिया, आजमगढ़ सहित अन्य जिलों के नेता घोसी में कैंप कर रहे हैं। वह खुद सभी नेताओं से फोन पर संपर्क में बने हुए हैं। खुद के प्रचार के सवाल पर कहा कि वहां के प्रभारी व कैंप कर रहे नेताओं ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि स्थिति मजबूत है।

रविवार को लखनऊ जाते समय मुसाफिरखाना के ब्लॉक अध्यक्ष राजीव ओझा के आवास पर कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लखनऊ में केंद्रीय मंत्री के बेटे के आवास पर हुई घटना के मामले को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने व केंद्रीय मंत्री की बर्खास्तगी के साथ मुकदमा दर्ज कर मंत्री व उनके बेटे को गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रियंका गांधी की जहां भी इच्छा होगी, वहां से पूरी ताकत के साथ कांग्रेसी मैदान में उतरेंगे।

# बसपाई बूथ पर दबाएंगे नोटा : बसपा

**» घोसी उपचुनाव से पहले मायावती का फैसला**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी विधानसभा उपचुनाव में मतदान से पहले बसपा ने एक बड़ा सियासी फैसला लेकर चुनाव को दिलचस्प मोड़ पर ला दिया है। बसपा ने कहा है कि बसपाई या तो घर बैठेंगे और यदि बूथ तक जाएंगे तो नोटा दबाएंगे। बसपा के इस निर्णय से घोसी के सियासी रण में मुकाबला रोचक हो गया है। यहां 90 हजार से ज्यादा अनुसूचित जाति के वोटर हैं जो परिणाम को प्रभावित करने का माद्दा रखते हैं। इस उपचुनाव को सियासी नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है। इसके दो मुख्य कारण हैं।

एक, दारा सिंह चौहान सपा छोड़कर फिर से भाजपा के साथ आ गए हैं और यहां के ताल ठोक रहे हैं। दूसरा, लोकसभा चुनाव-2024 से पहले हो रहे इस चुनाव को एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन के रूप में देखा जा रहा है। सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह को कांग्रेस, रालोद का समर्थन मिलने से लड़ाई आमने-सामने की हो गई है। दोनों गठबंधन भली-भांति जानते हैं कि यहां की जीत से बड़ा मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। बसपा ने इस चुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल कहते हैं कि पहले विधायकों को तोड़ने के लिए दल-बदल कानून लाया गया। पर अब नई परिपाटी शुरू हो गई कि किसी सदस्य को इस्तीफा दिलाकर अपनी पार्टी में शामिल कर लो और फिर चुनाव लड़ा दो। इसका भार जनता पर जाता है। ऐसे चुनाव का हमारे लोग बहिष्कार करेंगे। जो लोग वोट डालने जाएंगे भी वे सिर्फ नोटा दबाएंगे। 90 हजार अनुसूचित जाति, 95 हजार मुस्लिम, 50 हजार राजभर, 50 हजार नोनिया, 30 हजार बनिया, 19 हजार निषाद, 15-15 हजार क्षत्रिय, कोइरी, 14 हजार भूमिहार, 7 हजार ब्राह्मण, 5 हजार कुम्हार।

### प्रचार खत्म, कल मतदान

इस सीट पर प्रचार रविवार को समाप्त हो गया। मंगलवार को वोट डाले जाएंगे। इधर भाजपा व सपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा पर तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोला है।

# जिन्हें विवाद पसंद है वे करें, हम अपने काम में रमे : एलजी

**» बोले- हमें जी-20 अच्छी तरह कराना है**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जी-20 सम्मेलन के लिए राजधानी में तैयारी भी हाई प्रोफाइल है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद इस सम्मेलन को अछी तरह से करवाना है। जिन्हें विवाद पसंद है वे विवाद करें । एलजी ने कहा दिल्ली देश की राजधानी है। यहां इस तरह के आयोजन सप्ताह भर की तैयारी में हो जाने चाहिए, लेकिन दिल्ली इसके लिए तैयार नहीं थी। हमें काफी पहले से काम शुरू करना पड़ा। आज जहां हम खड़े हैं, हम कह सकते हैं कि दिल्ली के छोटे से बमुश्किल दस फीसदी हिस्से को इसके लिए तैयार कर लिया गया है।

हमारी कोशिश है कि पूरी दिल्ली को इस तरह तैयार करें, लेकिन इसमें वक्त लगेगा। अभी जहां आयोजन होना है, वह क्षेत्र पूरी तरह से तैयार है। दिल्ली के लिए अभी बहुत मेहनत करनी है। जो ढांचा बना है, उसे संभाले भी रखना है और बाकी दिल्ली को सजाना ही है। आयोजन के बाद 15 सितंबर से इस दिशा में युद्ध स्तर पर काम होगा। खराब सड़कों को ठीक करने, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने, अतिक्रमण हटाने व शहर को सुंदर बनाने की मुहिम शुरू होगी। दिल्ली काफी बड़ी है। मिशन मोड में काम चल रहा है। जनता को आश्वासन दे रहा हूं कि बाकी दिल्ली भी इसी तरह चमचमाएगी। सभी एजेंसी ने सहयोग किया है। देश ही नहीं, विदेशी एजेसियों से भी बेहतर तालमेल है।

इतना जरूर है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अभी तक जी-20 की तैयारी को लेकर आयोजित बैठकों में से सिर्फ एक बार शिरकत की है। उनके मंत्रियों ने तो इसकी भी जहमत नहीं उठाई। उनकी अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। किसी का व्यवहार नहीं बदला जा सकता।

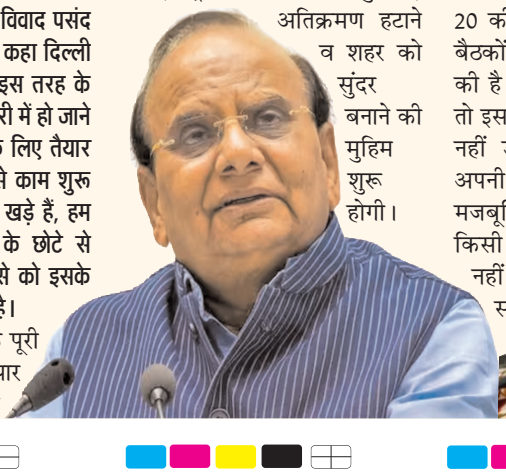

### राजनीति नहीं, एलजी के साथ करना चाहते हैं काम : आतिशी

सम्मेलन को लेकर हम किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं करना चाहते। यह देश के सम्मान का विषय है। यह कहना है दिल्ली की लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी का। आतिशी ने बताया कि उपराज्यपाल हमारे बड़े हैं। हम उनके साथ मिलकर काम करना चाहते हैं, लेकिन वे हमें बुलाते ही नहीं हैं। अधिकारियों को बुलाकर बैठक करते हैं, हमें सूचना तक ही नहीं देते, जबकि सूचना देनी चाहिए। इसके बावजूद जी-20 को लेकर जो भी जिम्मेदारी सरकार पर है उन्हें ईमानदारी से पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग की सड़कों को चमकाया गया है। तीन साल से दिल्ली की सड़कों को सुंदर बनाने का काम किया जा रहा है। कुछ माह से इन पर हरियाली बढ़ाने की दिशा में काम किया गया। आतिशी ने कहा कि दिल्ली छावनी क्षेत्र में शिवलिंग के फव्वारे लगाकर केंद्र सरकार ने लोगों की आस्था को आहत किया है।

# चुनाव आते ही चले जाने लगे फ्री के दांव

## केंद्र सरकार सिलेंडर में कम किए दौ सौ रुपये दाम

- राजस्थान, मप्र व छत्तीसगढ़ ने लगाई घोषणाओं की झड़ी
- कांग्रेस, भाजपा, आप समेत सभी दल रिझाने में लगे
- वोटरों को आकर्षित करने का अच्छा हथियार है मुफ्त देने की घोषणाएं
- मप्र में 10 के बजाय अब पांच रुपये में मिलेगा भरपेट भोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीते कुछ सालों सरकारों द्वारा आम जनता को मुफ्त में कुछ न कुछ देने का चलन बहुत बढ़ गया। सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस हो, सबसे बड़ी व सत्तारूढ़ भाजपा हो या सबसे नई पार्टी आप हो सभी आपने-अपने चुनावों में बिजली, पानी, दवा व शिक्षा मुफ्त देने की घोषणा ही नही की बल्कि दी भी। अच्छा है मतदाताओं को अपने पक्ष में करने लिए सरकारें इस तरह के वादे करती है बाद में वह वोट पाकर जीत जातीं है। फिर अपने वादे को लागू करवाने के लिए राज्य के आर्थिक संसाधन का शोषण करने लगती और उस प्रदेश अर्थव्यवस्था की हालत पतली हो जाती है। हाल ही में राज्य सरकारें इसतरह की घोषणा करने में आगे रहती है पर अब जैसे-जैसे 24 लोक सभा चुनाव करीब आते जा रहे हैं भाजपा की मोदी सरकार भी फ्री बज में लोगों को लुभाने में जुट गई है।

इसी के मद्देनजर उसने रक्षा बंधन से पहले गैसों के दाम में 200 रुपये की कटौती करके चुनावी चारा फेंक दिया है। हालांकि ये बात अलग है रैलियों व सभाओं में भाजपा के बड़े नेता अपने विरोधियों द्वारा दिये गए मुफ्त योजनाओं की आलोचना करते हैं परंतु अपनी गिरेबां में नहीं झांकते कि वे भी तो यही कर रहे हैं। खैर कुछ भी आम जनता सब देखती है जब चुनाव आता है तो वह अपने मताधिकार के आधार पर फैसले लेती है कि उसे मुफ्त बांटने वाले को वोट देना है या जो इस तरह के वादे नहीं करते उनकों सत्ता देना है। आम आदमी अपने रोज़ाना के संघर्ष में लगा हुआ है। एक अजीब सी चुप्पी साधे सब कुछ देख तो रहा है, लेकिन रोज़ के कामों से फुर्सत नहीं है। सारे चौकों के बर्तन धुले हैं या नहीं? चूल्हे की आख़िरी राख भी बुझ चुकी है या नहीं? वो अपने ही वजूद की आँच के आगे, औचक हड़बड़ी में, खुद को ही सानता, खुद को ही गूंथता, खुश है कि रोटी बेली जा रही है। केंद्र सरकार ने 30 अगस्त से घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपए कम किए हैं। इसी साल 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस राजस्थान में बीपीएल परिवारों को 500 रुपए में गैस दे रही है। वहीं मध्य प्रदेश में पार्टी ने सरकार बनने पर 500 रुपए में गैस देने की घोषणा की है। जनता खुश है कि दो वक्त का इंतज़ाम हो चुका है। किसी नेता, किसी पार्टी को उसकी फिक्र पूरे पाँच साल से नहीं थी। लेकिन चुनाव के वक्त इस सूखे से सावन में भी अचानक सुविधाओं की बाढ़ आ चुकी है। गैस सिलेण्डर नाम मात्र के दाम पर। हर महीने मुफ़्त की रेवड़ी। कहीं पैसे के रूप में। कहीं मोबाइल फ़ोन या इसी तरह की अन्य सुविधा के रूप में।

मध्य प्रदेश में अब नागरिकों को 5 रुपये में भरपेट भोजन मिलेगा। यह व्यवस्था दीनदयाल रसोई में होगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को 66 नए दीनदयाल रसोई केन्द्रों का शुभारंभ करते हुए यह एलान किया। मुख्यमंत्री भोपाल के कुशाभाउ ठाकरे कन्वेंशन हॉल में दीनदयाल रसोई योजना के तीसरे चरण का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक यह भोजन 10 रुपये थाली के मान से मिल रहा था, लेकिन शनिवार से 5 रुपये थाली में नागरिक भरपेट भोजन कर पाएंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नगरीय क्षेत्रों के 38,505 आवासहीनों को पट्टा भी प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि प्रदेश में कोई भी गरीब परिवार जमीन और आवास के बगैर नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों के मकान पीएम आवास योजना के तहत नहीं बन सके, उन्हें सीएम आवास योजना के तहत घर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दीनदयाल रसोई योजना के तीसरे चरण में 66 नगर पालिकाओं में स्थायी रसोई केंद्रों का शुभारंभ किया जा रहा है। इन्हें मिलाकर अब प्रदेश में 166 दीनदयाल स्थायी रसोई केंद्र हो गए हैं, जहां पर पांच रुपये में भोजन मिलेगा।

## सरकारें जनता को मुफ्त सेवाएं देने के बजाय सुविधाओं को हासिल करने में बनाएं सक्षम

तमाम देशों में भी इस समय जनता को मुफ्त सुविधाएं बांटकर वोट हासिल करने का सिलसिला जोर पकड़ रहा है। इंग्लैंड के पिछले चुनाव में मुफ्त ब्राडबैंड, बस यात्रा एवं कार पार्किंग की घोषणा की गई। हम भी पीछे नहीं। कुछ वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश में मुफ्त लैपटाप, तमिलनाडु के हालिया चुनावों में किचन ग्राइंडर एवं साइकिल, दिल्ली में मुफ्त बिजली एवं पानी और केंद्र सरकार द्वारा गैस कनेक्शन दिए गए हैं। इनसे जनहित तो होता है, मगर कहावत है कि किसी को 'मछली बांटने के स्थान पर यदि उसे मछली पकड़ना सिखाएं तो वह अधिक लाभप्रद होता है।' विचारणीय है कि ऐसे मुफ्त वितरण से क्या वास्तव में जनहित होता है? चुनाव पूर्व ऐसी घोषणाएं निश्चित रूप से अनैतिक हैं, क्योंकि इनमें सार्वजनिक धन का उपयोग वोट मांगने के लिए किया जाता है। जैसा कि कांग्रेस ने किसानों की ऋण माफी एवं मनरेगा जैसी योजनाओं से जीत हासिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव पूर्व ऐसी बंदरबांट पर रोक लगाने की पहल की थी।

## सीएम गहलोत ने महिलाओं को स्मार्टफोन और फूड पैकेट बांटे

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि लंबे समय से मांग और जनता के सरकार के प्रति अटूट विश्वास से ब्यावर को जिला बनाया गया है। देश में पहली बार राजस्थान में एक साथ नए जिलों के सृजन का ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। इससे आमजन की मुख्यालय से दूरियां कम हो गई है। अब हम मिलकर आगे बढ़ंगे और राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे। गहलोतको नवसृजित जिले ब्यावर के राजकीय सनातन धर्म महाविद्यालय परिसर में राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेल की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का अवलोकन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन ओलम्पिक खेलों से प्रतिभाओं को स्वर्णिम अवसर मिल रहे हैं। इससे भविष्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे खिलाड़ी मेडल जीतते नजर आएंगे। नए जिलों के सृजन से राजस्व, चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सेवाएं प्राप्त करना अधिक आसान हुआ है। इस निर्णय से हमारा प्रदेश साल 2030 तक देश के अग्रणी राज्यों में शुमार होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष

2008 में प्रतापगढ़ जिला घोषणा के डेढ़ साल बाद अस्तित्व में आया था, जबकि हमारे कुशल प्रबंधन से सभी नए जिलों में सिर्फ 4 माह में ही प्रशासनिक कार्य शुरू हो गए हैं और आमजन को राहत मिलने लगी है। गहलोत ने कहा कि मेरे लिए पद नहीं प्रदेश का सर्वांगीण विकास और अंतिम व्यक्ति तक की सेवा जरूरी है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार की ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत हुआ है। देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी कानून लाया गया। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत कैम्पों में 10 योजनाओं की गारंटी, 25 लाख रुपए की मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स एक्ट, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की शुरूआत, उ?ान योजना, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, ओपीएस बहाली सहित अन्य फैसलों से राजस्थान देश में मॉडल स्टेट बन गया है। सीएम गहलोत ने कहा कि अब हमें मिलकर वर्ष 2030 के राजस्थान का सपना देखना है। कार्यक्रम में गहलोत ने राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेल अंतर्गत प्रतियोगिताओं का अवलोकन किया। मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ाया। उन्होंने इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के लाभार्थियों को स्मार्टफोन तथा अन्नपूर्णा फूड पैकेट भी वितरित किए। कायक्रम में पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 5 वर्षों में एक से बढ़कर एक जनहितैषी फैसले लिए हैं।

## देश के नागरिक जागरूक

आज हमारे देश के नागरिक जागरूक हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखा जाता है कि वे अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा दिलाने के लिए खर्च करने से गुरेज नहीं करते। अब उस धारणा को तिलांजलि दे देनी चाहिए कि जन आकांक्षाओं की पूर्ति केवल सरकारी तंत्र ही कर सकता है। हमें जनता पर भरोसा कर उसे इन तमाम योजनाओं में उलझाने के बजाय सीधे रकम देनी चाहिए। ऐसे वितरण के विरोध में कहा जाता है कि यदि देश के सभी नागरिकों को यह रकम दी जाएगी तो यह अमीरों को भी मिलेगी, जिसका कोई तुक नहीं। मान लीजिए किसी अमीर को किसान की भांति 6,000 रुपये सालाना नकद दिए गए तो वे उससे अतिरिक्त कर के रूप में वसूल भी किए जा सकते हैं। इससे लाभ यह होगा कि गरीब पर 'गरीब' का ठप्पा नहीं लगेगा और नौकरशाही के खेल से देश मुक्त हो जाएगा।

## सरकारी सेवाओं के तीन प्रकार

बड़ा सवाल यही है कि क्या चुनाव के बाद भी ऐसा वितरण सही है? एक्सपर्ट के अनुसार सरकारी सेवाएं तीन प्रकार की होती है। पहली श्रेणी में सार्वजनिक सेवाएं होती हैं। जैसे रेल, हाईवे अथवा कोविड के बारे में जानकारी जो कि केवल सरकार ही उपलब्ध करा सकती है। निःसंदेह ये सुविधाएं सरकार द्वारा ही उपलब्ध कराई जानी चाहिए। दूसरे प्रकार की सुविधाएं वे होती हैं जो व्यक्ति स्वयं हासिल कर सकता है, परंतु किसी व्यक्ति को ये सुविधाएं मिलने से समाज का भी हित होता है। जैसे यदि किसी को मास्क मुफ्त दे दिया जाए तो कोविड संक्रमण कम होगा। यद्यपि मास्क व्यक्तिगत सुविधा है, परंतु उसे उत्तम अथवा मेरिट वाली सुविधा कहा जाता है। तीसरे प्रकार की सुविधाओं में लाभ व्यक्ति विशेष को ही होता है। जैसे दिल्ली में एक तय सीमा तक मुफ्त बिजली देना। ऐसे वितरण का सामाजिक सुप्रभाव नहीं पड़ता। इसलिए सरकार को इससे बचना चाहिए। उसे सीधे देने के स्थान पर जनता को सक्षम बनाना चाहिए कि वह इस सुविधा को स्वयं बाजार से खरीद सके। विषय यह रह जाता है कि मेरिट और व्यक्तिगत सुविधा में भेद कैसे किया जाए? इसका स्पष्टीकरण दो योजनाओं की तुलना से हो सकता है। केंद्र सरकार ने किसानों को 6,000 रुपये प्रति वर्ष नकद देने की योजना लागू की है। वहीं दिल्ली सरकार ने मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा किया है। दोनों मुफ्त सुविधाएं हैं। अंतर है कि किसान को नकद राशि मिलने से उसका खेती के प्रति रुझान बढ़ता है और देश की खाद्य व्यवस्था सुदृढ़ होती है, जबकि बिजली मुफ्त बांटने से ऐसा लाभ नहीं मिलता। इसलिए किसान को दी जाने वाली नकद मदद को मेरिट सुविधा में गिना जाना चाहिए जबकि मुफ्त बिजली को व्यक्तिगत सुविधा में। इसका यह अर्थ नहीं कि किसान को नकद राशि देना ही सर्वोत्तम है। उत्तम यह होता कि किसान को पराली न जलाने, भूजल के पुनर्भरण, रासायनिक उर्वरक का उपयोग घटाने के लिए सब्सिडी दी जाती। इससे किसान की आय भी बढ़ती और समाज का हित भी होता।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# पूरा हो रहा है हमारे वैज्ञानिकों का सपना

*"ये वैज्ञानिक सफलताएं एक दिन की मेहनत से मिलने वालीं सफलता नहीं ये दशकों के प्रयासों का नतीजा है। ये अंतरिक्ष मिशन के जो कार्यक्रम हम सफलता पूर्वक संपन्नकर हे है उसमें पुराने वैज्ञानिकों व देश के नेतृत्व करने वालों के दृष्टिकोण का नतीजा है जिसे उन्होंने कई सालों पहले बनाया और आज वह फलीभूत हो रहा है।*

*चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत के वैज्ञानिकों ने एक और कारनामा करके इतिहास रच दिया। अबकि बार हमारा सूर्य मिशन कामयाबी की ओर बढ़ चला है। ये वैज्ञानिक सफलताएं एक दिन की मेहनत से मिलने वालीं सफलता नहीं ये दशकों के प्रयासों का नतीजा है। ये अंतरिक्ष मिशन के जो कार्यक्रम हम सफलता पूर्वक संपन्न कर रहे है उसमें पुराने वैज्ञानिकों व देश के नेतृत्व करने वालों के दृष्टिकोण का नतीजा है जिसे उन्होंने कई सालों पहले बनाया और आज वह फलीभूत हो रहा है। इसरो ने देश के पहले सूर्ययान आदित्य-एल1 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। देश के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण राकेट (पीएसएलवी)-सी57 (पीएसएलवी-सी57) के साथ रवाना हुआ। इस मौके पर आदित्य-एल1 की प्रोजेक्ट डायरेक्टर निगार शाजी ने देश के मशहूर साइंटिस्ट यूआर राव को याद किया। निगार ने कहा कि प्रोफेसर यूआर राव ने ही इस मिशन का बीज बोया था। उडुपी रामचंद्र राव को भारतीय स्पेस टेक्नोलॉजी का जनक कहा जाता है। यूआर राव भारत के पहले उपग्रह आर्यभट्ट के प्रक्षेपण से जुड़े थे। राव ने 1984-1994 तक 10 वर्षों तक इसरो के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया प्रो. राव ने विक्रम साराभाई की मृत्यु के बाद भारत के उपग्रह कार्यक्रम का नेतृत्व किया।*

*उन्होंने भारत के पहले उपग्रह, आर्यभट्ट को लॉन्च करने के लिए युवा वैज्ञानिकों की एक टीम का नेतृत्व किया। प्रोफेसर राव के पास अपने सहयोगियों के साथ आर्यभट्ट उपग्रह की परिकल्पना, डिजाइन, निर्माण और टेस्टिंग करने के लिए केवल 36 महीने थे। प्रोफेसर राव ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने 10 मई 1972 को भारत के उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए यूएसएसआर के साथ बातचीत का नेतृत्व किया था। वह लगभग 200 सैटेलाइट वैज्ञानिकों की टीम में शामिल थे। बाद में, एक इंटरव्यू के दौरान राव ने कहा था कि, हमने एस्बेस्टस-छत वाले शेड में रात-दिन काम किया। वहां, व्यावहारिक रूप से कोई बुनियादी ढांचा नहीं था। सड़क पर कारों से ज्यादा बैलगाड़ियां थीं। आज जब आदित्य-एल 1 की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग हो चुकी है। ऐसे में इस मौके पर मैं प्रो. यूआर राव का जिक्र करना जरूरी था। इसरो ने कहा कि आज जो यह मिशन सफल हुआ है, इसका बीज प्रो. यूआर राव ने ही बोया था। प्रो. राव ने फिजिकल रिसर्च लैबोरेट्री, अहमदाबाद में खुद जो एक्स-रे प्रयोग विकसित किया था, वह इस उपग्रह पर था। आर्यभट्ट के बाद, इसरो सैटेलाइट सेंटर, बैंगलोर के पहले निदेशक के रूप में, राव ने प्रयोगात्मक रिमोट सेंसिंग उपग्रहों, भास्कर 1 और 2, रोहिणी डी 2 और एसआरओएसएस श्रृंखला में प्रौद्योगिकी उपग्रहों की कल्पना की। वे भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों (आईआरएस) की नींव थे। उन्होंने भारत का पहला प्रायोगिक संचार उपग्रह, एप्पल को सफलतापूर्वक वितरित किया। यह भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह सीरीज का अग्रदूत था।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# विकास की विद्रूपता में कसमसाता लोकतंत्र

नीरा चंडोक

इस महीने जी-20 संगठन के सदस्य नयी दिल्ली में होने वाले सम्मेलन में एकत्र होने जा रहे हैं। बिना शक, दक्षिणी गोलार्ध के नेतागण अपने-अपने देश में विकास की कमी का वास्ता देकर छूटें प्राप्त करने की जुगत करेंगे। यह 'विकास' एक हैरत में डालने वाली अवस्था है, अपने आप में त्रासदी का वाहक। बीते अप्रैल माह, राजस्थान के अलवर में, तेज गति की 'वंदे भारत' रेलगाड़ी से एक गाय टकरा गई और टक्कर से हवा में उछली गाय ने लगभग 30 मीटर दूर पटरी के किनारे निवृत्त हो रहे एक व्यक्ति को चपेट में ले लिया, जैसा कि शौचालय सुविधा से महरूम लोगबाग अकसर किया करते हैं। गाय और वह बंदा, दोनों मारे गए। इससे पहले, पिछले साल अक्तूबर माह में, मुम्बई-गांधीनगर 'वंदे भारत' रूट पर, इंजन का अग्र-भाग चार भैंसों से टकराने के बाद अंदर धंस गया था। रेलवे अधिकारियों का कहना था कि मृत भैंसों के शव हटाकर लाइन जल्द चालू कर दी गई। जब मामला 'विकास' का हो, तो कुछेक मौतों से क्या फर्क पड़ता है? क्योंकि यह 'विकास' सरकारों का अंतिम जादुई मंत्र जो ठहरा।

यह मान लेना कि 'विकास' से सर्वत्र भलाई होती है, इतिहास का सबसे बड़ा मजाक है। 'विकास' होने से लोकतंत्र मजबूत अथवा दौलत का पुनर्वितरण स्वमेव नहीं होता। इस वर्ष, जनवरी माह में ऐसी खबर आई जो किसी के होश उड़ा दे, भारत पर 'ऑक्सफैम' रिपोर्ट बताती है कि चोटी के पांच फीसदी अमीर भारतीयों के हाथ में देश की 60 प्रतिशत से अधिक दौलत है, जबकि जनसंख्या के निचले तबके में आधों के पास महज 3 प्रतिशत! वह व्यवस्था जो अमीरों को और अमीर बनाना सुनिश्चित करती हो, वहां हाशिए पर आने वाले सदा भुगतते हैं। क्या यही है 'विकास'? 1970 के दशक से ही शिक्षाविद ऐसे 'विकास' की आलोचना करते आए हैं, जो पूंजीवादी समाज की नकल पर आधारित हो यानी औद्योगिकीकरण, वस्तुभोगवाद और संग्रहण। यह क्यों भुला दिया जाता है कि उनका विकास दक्षिणी गोलार्ध में उपनिवेश बनाए देशों के स्रोतों और मानव श्रम के दोहन की बदौलत है।

'निर्भरता सिद्धांत' के गुरु आंद्रे गुंदर लिखते हैं 'विकास और पिछड़ापन, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।' पश्चिम का विकास इसलिए हो पाया क्योंकि उपनिवेशों ने प्रक्रिया की कीमत चुकाई। अब विकसित देशों के




बराबर आने में उन्हें सदियां न सही, दशक तो लगेंगे ही। 1990 के दशक में विकास की विद्रूपता का दमदार आलोचनात्मक विश्लेषण अनेक शिक्षाविदों द्वारा होता रहा है, जैसे कि आर्टुरो एस्कोबार, गुस्तावो एस्टीवा, इवान इलीच, आशीष नंदी और वंदना शिवा। वुल्फगैंग सैक्स द्वारा संपादित 'ए डेवेलपमेंट डिक्शनरी ~ ए गाइड टू नॉलेज (2009)' का आलोचनात्मक विवेचना करने में खास स्थान है। शिक्षाविदों ने नाना तरीकों और उदाहरणों से इसे समझाया है। परंतु, सबका यकीन है कि विकास का मौजूदा तरीका पश्चिमी जगत के दबदबे वाली अवधारणा पर आधारित है। तथापि, दक्षिणी गोलार्ध के देशों ने आत्मनिर्भरता बनाने की बजाय विकसित पूंजीवादी व्यवस्था की नकल करना चुना। विकासोत्तर सिद्धांतकारों की दलील है कि विकास की उक्त अवधारणा में यकीन से परे झोल हैं। यह इस अनुमान पर आधारित है कि मनुष्य तकनीक के बूते प्रकृति से पार पा सकता है। यह तकनीक ही थी जिसका इस्तेमाल हिटलर के जर्मनी में लाखों यहूदियों को मारने के लिए हुआ या स्टालिन के सोवियत यूनियन में करोड़ों को मौत के घाट उतारने में, इसी के जरिये नागरिकों पर कड़ी नज़र रखने वाली व्यवस्था कई मुल्कों में है, इसी तकनीक ने पर्यावरण तबाह किया और मौसम में बदलाव लाया है। यह तकनीक ही है जिससे अस्त्र-शस्त्र के अम्बार लगे, गृह युद्ध हुए या विध्वंसकारी परमाणु शक्ति बनी। तकनीक केवल तानाशाहों की मददगार है, यह भूखे मरते करोड़ों लोगों को न तो भोजन देती है न ही बेरोजगारों को काम या लोगों को ऐसी जिंदगानी का वादा, जो जीने लायक हो।

नीति-नियंता अभी भी पसोपेश में हैं कि वैश्विक संस्थान जिस विकास को बढ़ावा दे रहे हैं क्या विकासोत्तरवादी उसका कोई ठोस विकल्प पेश कर सकते हैं। एक विकल्प है तो, गांधीवादी सोच 'विकेंद्रीकरण, भागीदारी और अनेकवाद का सम्मान'। अनेक शिक्षाविदों का विश्वास है कि सामाजिक आंदोलनों से सुझाए विकल्प ही किसी क्षेत्र विशेष और उसकी जरूरतों का 'विकास नमूना' दे सकते हैं। 'विकास' के कारण जो नुकसान लोकतंत्र को हुआ है, सुझाए विकल्प उसको सही करने का तरीका सुझा सकते हैं।

# पहाड़ के मिजाज को देख बने सुरक्षित घर

रमेश पठानिया

जुलाई माह का दूसरा सप्ताह हिमाचल प्रदेश के लिए कहर लेकर आया। कुल्लू में ब्यास नदी में आई अकस्मात् बाढ़ से जलस्तर इतना बढ़ गया कि नदी किनारे जो भी था नदी ने बहाने की कोशिश की। इनमें गाड़ियां, बसें, घर, दुकानें और सड़कें तक शामिल थीं। मनाली से इसकी शुरुआत हुई। फिर भारी बरसात, अकस्मात् बाढ़, बादल फटने की घटनाएं और निरंतर भूस्खलन ने हालात और खराब कर दिए। भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग समेत प्रदेश के सभी मार्ग प्रभावित हुए। भूस्खलन और बादल फटने से अचानक आयी बा? में अधिकतर जगह यानी मंडी, कुल्लू, शिमला व सिरमौर जिले में एक के बाद एक पक्के मकान गिरने लगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 12000 घरों को नुकसान हुआ, 2200 घर बह गए वहीं प्रदेश में 361 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी और करीब 40 व्यक्ति लापता हैं।

इन गिरने वाले भवनों में ज्यादा कंक्रीट के थे। जिनमें सीमेंट, ईंटों, पत्थर और लोहे का इस्तेमाल किया गया था। दरअसल, हिमाचल में पिछले तीस सालों में भवन निर्माण के तरीके में अलग तरह का बदलाव देखा है। लोगों के पास अगर घर बनाने के लिए जमीन कम है तो वे पंजाब जैसी भवन निर्माण कला का सहारा लेते हैं। स्तंभों पर पूरा घर खड़ा करना चाहते हैं। छह स्तम्भ जल्दी से नींव में डाले और जैसे-जैसे जलें बनानी हैं उनकी ऊंचाई बढ़ाते रहे। मिस्त्री,जो ज्यादातर प्रवासी हैं, ईंट या पत्थर का इस्तेमाल कर कुछ ही दिनों में घर खड़ा कर देते हैं। न मिट्टी की जांच व न घर के लिए तय जमीन की भार सहन क्षमता की परख। शिमला, सोलन और कुल्लू में जो घर पिछले 15 सालों में बने हैं वे घर के ऊपर घर हैं या एक-दूसरे के साथ सटे हैं। एक घर को अगर बारिश, भूस्खलन या भूकंप से नुकसान होगा तो साथ के घर को भी होगा। शिमला, कुल्लू और आनी में यही हुआ।

पहाड़ में पहले काठ कुणी घरों का रिवाज था, जो भौगोलिक दृष्टि से पहाड़ में मौसम की जटिलता से जूझना जानते थे। बता दें कि काठकुणी भवन निर्माण कला में चिनाई में अधिकतर पत्थर का प्रयोग होता है और पत्थर के रदों के बीच लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। लकडी और स्लेट की छत के चलते इन घरों पर वजन कम होता था। कुल्लू, नग्गर, मनाली, मंडी, कांगड़ा में ऐसे सौ साल पुराने घर अब भी खड़े हैं। वहीं शिमला, किन्नौर, सिरमौर में भी काठकुणी घर और मंदिर वर्षों से कायम हैं। हालिया बरसात ने शिमला और कुल्लू जिले में सबसे ज्यादा नुकसान किया। शिमला में समरहिल में भूस्खलन में 20 से ज्यादा लोगों की जान गयी, बाकी जगह घर एक के ऊपर एक गिरने लगे। दरअसल कुल्लू और शिमला में अत्यधिक भवन निर्माण हुआ है। कई व्यवसायी लोग जमीन विक्रेताओं के साथ मिलकर फ्लैट्स या अपार्टमेंट्स बना रहे हैं और ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। शिमला ढली से लेकर तारादेवी तक फैल गया है।

कुल्लू बाशिंग तक फैल गया है और वह दिन दूर नहीं जब कुल्लू और भुंतर जुड़वां शहर हो जाएंगे क्योंकि 9 किमी की दूरी में सड़क और पहाड़ियों के किनारे घर और व्यावसायिक स्थल ही होंगे। साल 2011 की जनगणना के अनुसार कुल्लू सदर में 4656 घर थे जिनमें 18536 लोग रहते थे। अब 2023 आते-आते आबादी तेजी से बढ़ गयी और घरों की संख्या भी। कुल्लू शहर घाटी में है व दोनों तरफ पहाड़ियां जिन पर घर ही घर नजर आते हैं,जंगल न के बराबर, घर के साथ घर सटा है। पहाड़ी जगहों का जिस तीव्रता से शहरीकरण हुआ है, उससे वहां पर हर तरह का निर्माण हुआ है। शिमला, कुल्लू, सोलन, मंडी, बिलासपुर, मनाली में बेतहाशा घरों का निर्माण हुआ है। बढ़ती आबादी और संयुक्त परिवारों का बंट जाना भी इसके लिए जिम्मेदार है। जिस तीव्रता से घर बनाये जा रहे हैं, पानी, बिजली आदि सुविधाओं की व्यवस्था मुश्किल हो सकती है। अग्निकांड आदि आपात स्थिति में, ऐसे घरों में मदद पहुंचाना भी कठिन होता है। दरअसल उत्तराखंड और हिमाचल दोनों जगह बारिशें, भूस्खलन, और अत्यधिक भवन निर्माण हुआ है। इसके कारण गांवों से शहरों में जाकर बसना और लोगों का पहाड़ों की तरफ रुख है। शहर और उसके साथ पहाड़ियों पर बने घरों का बोझ उठाने में एक समय के बाद जमीन असमर्थ हो सकती है और उत्तराखंड के जोशीमठ की तरह जमीन धंस सकती है। शिमला के अधिकतर घरों में लोग बरसातों में सांसें रोक कर जीते हैं कि ज्यादा बरसात से सब बह जाएगा।

संजौली में सड़क के ऊपर से नीचे देखें तो एक के ऊपर एक घर बना है। इसमें नगरपालिका की खास चूक है, सवाल है टाउन प्लानिंग में बहुमंजिला इमारतों का प्रावधान क्यों रखा गया? दो-तीन मंजिला घरों को अच्छी बुनियाद के बूते लम्बे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। लेकिन शिमला में जितनी जमीन नहीं है उससे ज्यादा घर हैं। यही हाल कुल्लू का भी होने लगा है। सरकार को ऐसी जगहों को चिन्हित करना होगा जहां पर भूस्खलन का खतरा है। वहां आसपास अगर निर्माण की आवश्यकता है तो प्री-फैब्रिकेटेड हाउस बनाये जा सकते हैं। सरकारी संस्थानों के लिए भी ऐसे घर बनाएं तो किफायती-सुरक्षित रहेंगे। वहीं पुरानी पद्धति से भवन निर्माण को फिर से अपनाना होगा। स्तम्भों पर एक के ऊपर एक मंजिल खड़ी करने की पद्धति वाले निर्माणाधीन और प्रस्तावित भवनों को चेतावनी देने की आवश्यकता है। सरकार पहाड़ी ढलानों पर घर बनाने से पहले उस जगह की जांच करवाना अनिवार्य कर दे। घर के साथ सटे घर बनाने की अनुमति नहीं हो।

# मां-बाप की गलतियों से चिपकू बन जाते हैं बच्चे

कुछ पैरेंट्स अपनी गलतियों की वजह से अपने बच्चे के व्यवहार को चिपकू बना देते हैं। ये बच्चे हर छोटी बात पर अप्रूवल के लिए अपने पैरेंट्स के पास आते हैं और अपने फैसले खुद नहीं ले पाते हैं। मां-बाप की इन गलतियों की वजह से बच्चे चिपकू बन जाते हैं, जिससे पैरेंट्स एक पल भी चैन की सांस नहीं ले पाते हैं। मां-बाप की परवरिश पर ही बच्चे का फ्यूचर निर्भर करता है। आपका बच्चा सफल बनेगा या उसे अपनी पहचान बनाने में मशक्कत करनी पड़ेगी, ये सब बच्चे की परवरिश पर निर्भर करता है। कई बार तो मां-बाप बच्चे का पालन-पोषण ऐसे कर देते हैं कि बच्चे चिपकू बन जाते हैं। हमारे कहने का मतलब है कि बच्चे हर वक्त अपने मां-बाप से चिपके रहते हैं और दूसरों से घुलने-मिलने में उन्हें काफी समय लग जाता है।

## पैरेंटिंग टिप्स आएंगे काम

अपने बच्चे को चिपकू बनने से बचाने के लिए आप उसे उसकी उम्र के हिसाब से कुछ फैसले लेने की आजादी दें और उस पर कुछ जिम्मेदारियां भी डालें। बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने पर फोकस करें और हर बात के लिए उसे आपके पास आने की आदत को बढ़ावा ना दें।

## बाउंड्री ना बनाना

जब पैरेंट्स अपने बच्चे के लिए कमजोर बाउंड्री बनाते हैं, तो बच्चे को अपनी खुद की पहचान बनाने में दिक्कत महसूस हो सकती है। इसमें बच्चा अपने रिश्तों पर निर्भर रह सकता है जहां उसे हर छोटी चीज के लिए दूसरों की रजामंदी की जरूरत पड़ती है। ये बच्चे हर बात के लिए अपने पैरेंट्स का अप्रूवल मांगते हैं और इनमें खुद अपने फैसले लेन की क्षमता कम होती है। जिससे ये खुद को सुरक्षित नहीं समझते है।

## पैरेंट्स के अप्रूवल की जरूरत

अगर आपके बच्चे को आपकी तारीफ या अप्रूवल की जरूरत पड़ती है, तो वो आपके ऊपर बहुत ज्यादा निर्भर होता जा रहा है। बच्चे को खुद अपनी क्षमता और काबलियित पर भरोसा करना सिखाएं। उसे आत्मविश्वास दिलाएं कि वो जो कर रहा है, वो सही है। आप अपने बच्चे को ऐसा करने की आदत ना डालें कि वो हर मौके पर आपके अप्रूवल का इंतजार करे। उसे ये एहसास करवाएं कि अगर वो जीत हासिल नहीं भी कर पाता है, तो भी आप उससे बहुत प्यार करेंगे।

## बहुत देर तक इंतजार करना

कई बार पैरेंट्स बच्चे के चिपकू व्यवहार को पहचान नहीं पाते हैं और इस चक्कर में बहुत देर हो जाती है। कभी-कभी बच्चे का चिपकू होना ठीक है लेकिन अगर आप उसे ऐसा करने से नहीं रोकते हैं तो ये बच्चे की पर्सनैलिटी का एक हिस्सा बन जाएगा। बेहतर होगा कि आप समय रहते बच्चे के इस तरह के बिहेवियर को पहचानें और उसे ठीक करने की कोशिश करें।

## ओवरप्रोटेक्टिव बनना

अगर आप अपने बच्चे के लिए ओवरप्रोटेक्टिव हैं, तो वो हर छोटी बात के लिए आपके पास आएगा। वो खुद अपनी परेशानी का हल ढूंढने के बजाय आपके पास दौड़ा चला आएगा। आपका उसके लिए हर वक्त मौजूद रहना अच्छी बात है लेकिन आपको अपने बच्चे को खुद अपनी प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने के लिए तैयार करना चाहिए। कम से कम उसे अपनी छोटी-छोटी परेशानियों को तो हल करना आना ही चाहिए। ये पैरेंटिंग स्टाइल ठीक रहता है।

## हंसना मना है

बच्चा- स्कूल में गधा लेकर आया, टीचर- इसे क्यों लाए हो, बच्चा- मैम आप ही तो कहती हो मैंने बड़े से बड़े गधे को इंसान बनाया है, मैंने सोचा इस बेचारे का भी भला हो जाएगा।

हिंदी टीचर- संता, काल कितने प्रकार के होते हैं ?-संता- तीन, मैडम, टीचर- शाबाश, अब तीनों का एक-एक उदाहरण दो, संता- मैडम, कल मैंने आपकी बेटी को देखा था, आज मैं उससे प्यार करता हूं और कल मैं उसे भगाकर ले जाऊंगा।

प्रेमिका- तुम इतने घबराए हुए क्यों हो? प्रेमी- मुझे एक व्यक्ति की ओर से धमकी भरा पत्र मिला है कि मैंने उसकी पत्नी से मिलना बंद नहीं किया तो वह मेरा खून कर देगा। प्रेमिका- तो फिर तुम उसकी पत्नी से मिलना बंद कर दो। प्रेमी- पर धमकी भरा खत गुमनाम व्यक्ति ने लिखा है। मैं ये कैसे जान सकता हूं कि उसकी पत्नी कौन सी है?

प्रेमिका ने प्रेमी से कहा -अपनी शादी के लिए तुम मां से मिलकर देखो। प्रेमी बोला- नहीं डियर! अब तुम्हारे सिवाय कोई दूसरी मेरे मन में नहीं बस सकती।

## कहानी | सच्चाई की जीत

एक गांव था जिसका नाम मायापुर था। और गांव की सुंदरता का तो कुछ कहना ही नहीं था। क्योंकि उस गांव के किनारे ही एक विशाल जंगल था और उस जंगल में कई तरह के जंगली जानवर पशु-पक्षी रहा करते थे। एक दिन की बात है की एक लकड़हारा लकड़ियों को लेकर जंगल के रास्ते से अपने गांव की और जा रहा होता है। तभी उसे अचानक एक रास्ते पर शेर मिल जाता है और उस लकड़हारे से कहता है। देखो भाई आज मुझे कोई भी शिकार सुबह से नहीं मिला है और मुझे बहुत तेज भूख लगी है। मैं तुम्हें खाना चाहता हूं और तुम्हें खा कर मैं अपनी भूख मिटाऊंगा। तभी लकड़हारा घबराकर कहता है ठीक है अगर मुझे खाने से तुम्हारी भूख मिट सकती है और तुम्हारी जान बच सकती है तो मुझे ये मंजूर है। लेकिन उससे पहले में तुमसे कुछ कहना चाहता हूं, वह शेर कहता है कि तुम भैया अकेले हो और तुम्हारे ऊपर किसी की ज़िम्मेदारी भी नहीं है परन्तु मेरे घर पर बच्चे बीवी भूख से व्याकुल हो रहे हैं। इस कारण मुझे यह लड़कियां बेंचकर घर पर भोजन लेकर जाना होगा, परन्तु मैं तुमसे ये वादा करता हूं की मैं अपने बीवी और बच्चों को भोजन देकर तुरंत तुम्हारे पास आ जाऊंगा। तभी शेर बड़ी तेज हंसता है और कहता है कि तुमने क्या मुझे पागल समझ रखा है। तुम्हें मेरा शिकार बनना ही पड़ेगा। तभी लकड़हारा रोता है और कहता है कृप्या मुझे जाने दो मैं अपना वादा नहीं तोडूंगा। शेर को उसपर दया आ जाती है और कहता है की तुम्हें सूर्य डूबने से पहले ही आना होगा। लकड़हारा कहता है ठीक है। जब लकड़हारा अपनी बीवी और बच्चों को भोजन देकर शेर के पास वापस आया तो शेर प्रसन्न होता है और कहता है। तुम्हें मार कर मैं कोई पाप नहीं करना चाहता। तुम ईश्वर के सच्चे भक्त हो। तभी लकडहारा शेर का धन्यवाद करता है और खुशी खुशी अपने घर लौट जाता है।

## 7 अंतर खोजें

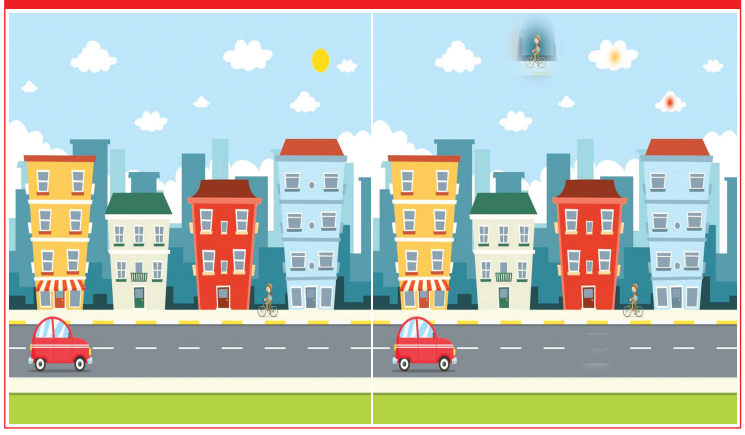

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे।

**वृषभ** व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है।

**मिथुन** प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी।

**कर्क** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे।

**सिंह** विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा।

**कन्या** लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

**तुला** पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक** दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

**धनु** आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन आ सकती है।

**मकर** व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

**कुम्भ** व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

**मीन** आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# फिल्म इंडस्ट्री में 18 साल पूरे होने पर भावुक हुई तमन्ना

तमन्ना भाटिया लगातार अपने प्रदर्शन से अपने प्रशंसकों का दिल जीत रही हैं। अभिनेत्री बैक टू बैक कुछ अलग प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रही हैं। हाल ही में वह जी करदा के बाद लस्ट स्टोरीज-2 और अब आखिरी सच में नजर आईं। बता दें कि वह अपने कवला गाने के लिए इंटरनेट पर छाई हुई हैं। अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में 18 साल पूरे कर लिए हैं और उन्होंने अपने सभी महत्वपूर्ण किरदारों को दर्शाते हुए एक हार्दिक नोट के साथ एक वीडियो साझा किया है। तमन्ना ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर को याद करते हुए लिखा, किशोरावस्था के सपनों से लेकर वयस्क अहसासों तक, मुसीबत में पड़ी एक लड़की और पड़ोस में रहने वाली लड़की से लेकर एक बदमाश बाउंसर और अब एक निडर एक्सप्लोरर तक, यह कैसा सफर रहा। अपने पहले सच्चे प्यार अभिनय के साथ अनंत काल तक की इस यात्रा में 18 साल लग गए। तमन्ना ने आगे आखिरी सच में अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने आगे कहा, आन्या मेरे लिए एक बेहद खास भूमिका है। आखिरी सच जैसी मनोरंजक कहानी में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाना निश्चित रूप से एक चुनौती थी, लेकिन मैंने खुले हाथों से इसका स्वागत किया। मेरी कोशिश इस किरदार में हर भावना को व्यक्त करने और इसे पूरा करने, इसके साथ न्याय करने की थी। आशा है कि आप लोगों को आन्या पसंद आएगी। तमन्ना ने आगे लिखा, इस बीच, इन अद्भुत यादों को याद करने के लिए कुछ समय मिला और मैं इसे आप सभी के साथ साझा करना चाहती थी, जो इस सपनों की सवारी में मेरा सबसे अधिक समर्थन करते हैं। धन्यवाद और मैं आप सभी से प्यार करती हूं। वहीं बात करें तमन्ना के वर्कफ्रंट की तो उनकी आखिरी सच वह 25 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज हुई। उन्होंने आखिरी सच में एक सख्त पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। तमन्ना ने 2005 में अपनी शुरुआत की थी। उनकी पहली हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा थी, जबकि उनकी पहली तेलुगु फिल्म श्री थी। इसके साथ ही तमन्ना अभिनेता विजय वर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं।

# काले धन की काली दुनिया का सच दिखाने आ रहा काला

अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज काला का ट्रेलर शुक्रवार को जारी किया गया। यह काले धन की समानांतर अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली को दर्शाता है, रिवर्स हवाला की प्रक्रिया से सफेद धन को काले धन में बदल दिया जाता है। यह आईबी अधिकारी ऋत्विक (अविनाश तिवारी) की रिवर्स हवाला ऑपरेशन को उसके मूल से खत्म करने की गहन खोज को दर्शाता है। शो में रोहन विनोद मेहरा, निवेथा पेथुराज, ताहेर शब्बीर, जितिन गुलाटी, एलीशा मेयर और हितेन तेजवानी भी हैं। इस सीरीज का निर्माण और निर्देशन बेजॉय नांबियार ने किया है, जो अपनी फिल्म शैतान के लिए जाने जाते हैं। सीरीज के बारे में बात करते हुए, बेजॉय नांबियार ने कहा, काला रिवर्स हवाला के दायरे में अपराध और विश्वासघात की परतों को खोलता है। काला हमारी वास्तविकता का एक अनफ़िल्टर्ड रिफ्लेक्शन है।

## मनी लॉन्ड्रिंग पर आधारित है वेब सीरीज

हम काले धन और मनी लॉन्ड्रिंग की धुंधली दुनिया पर एक ऐसी कहानी के साथ प्रकाश डाल रहे हैं, जो आपको शुरू से अंत तक बांधे रखेगी। अभिनेता अविनाश तिवारी ने कहा, एक्टर के रूप में, हम अक्सर भावनाओं और कहानियों के मिश्रण में डूब जाते हैं, लेकिन काला ने मुझे शक्ति और भ्रष्टाचार के एक बिल्कुल नए स्तर से परिचित कराया, जिसने मुझे सचमुच हिलाकर रख दिया।

## 15 सितंबर को होगी रिलीज

बेजॉय नांबियार ने काला में अपराध की एक ऐसी दुनिया गढ़ी है, जो सॉलिड रिसर्च पर आधारित है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और बेजॉय नांबियार द्वारा निर्मित, काला 15 सितंबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।

# सामंथा प्रभु और विजय देवरकोंडा की फिल्म कुसी की हुई शानदार ओपनिंग

सामंथा रुथ प्रभु और विजय देवरकोंडा की जोड़ी को फैंस बहुत पसंद करते हैं। दोनों पहले साथ में महंती में नजर आ चुके हैं। इस फिल्म की सफलता के बाद सामंथा और विजय एक बार फिर साथ आए हैं। दोनों की फिल्म कुशी सिनेमाघरों में शुक्रवार को रिलीज हो गई है। सामंथा और विजय की लव स्टोरी को बहुत पसंद किया गया है और फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। पहले दिन इस तेलुगू फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया है। सामंथा और विजय की फिल्म तेलुगू और तमिल में रिलीज हुई है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक कुशी ने पहले दिन 16 करोड़ का बिजनेस किया है। ये कलेक्शन वीकेंड पर बढ़ सकता है। इस फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। कुशी की बात करें तो ये विपलव और आराध्या की कहानी है जो कश्मीर में छुट्टियां मनाने जाते हैं। जहां दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है। उसके बाद दोनों की फैमिली दोनों को अलग करने में लग जाती हैं। अपने परिवार को गलत साबित करने के लिए विपलव और आराध्या शादी कर लेते हैं। शादी में दिक्कत तब आने लगती हैं जब दोनों के बीच मतभेद होने लगते हैं। जिसकी वजह से उनकी रोमांटिक दुनिया में कड़वे पल भी शामिल हो जाते हैं।

अजब-गजब | मित्सुबिशी पेंसिल कंपनी लिमिटेड ने बनाया रिकॉर्ड

# गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुई दुनिया की सबसे काली इंक जेल पेन

जापान की एक कंपनी ने कमाल कर दिया है। उसने दुनिया का सबसे ब्लैक इंक जेल पेन बनाया है। यह कारनामा करने वाली कंपनी का नाम 'मित्सुबिशी पेंसिल कंपनी लिमिटेड' है। कंपनी ने ऐसा कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला है। गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड्स ने मित्सुबिशी यूनी-बॉल वन सीरीज ब्लैक जेल पेन को दुनिया के सबसे ब्लैक इंक जेल पेन के रूप में मान्यता दी है।

जब दुनिया के सबसे काले पेंट की बात आती है, तो 'वेंटा ब्लैक' का कोई मुकाबला नहीं है, लेकिन इस जेल पेन की तो बात ही अलग है। मित्सुबिशी पेंसिल कंपनी लिमिटेड ने अब वर्ल्ड ब्लैकेस्ट जेल पेन का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह जेल पेन अपने आप में बहुत खास है। लिखते समय इस पेन का जेल कागज के रेशों पर कम फैलता है जिससे अन्य जेल पेनों की तुलना में इस जेल पेन से लिखे गए अक्षर अधिक निखर कर आते हैं और गहरे काले रंग के दिखाई देते हैं।

औसत से अधिक काली इंक वाला यह जेल पेन बहुत यूजफुल है। कंपनी का दावा है कि इस जेल पेन से लिखे गए अक्षरों को याद करना ज्यादा आसान है। मित्सुबिशी पेंसिल कंपनी लिमिटेड ने कथित तौर पर रित्सुमीकन यूनिवर्सिटी के साथ मिल कर अलग-अलग ब्लैक जेल पेन का इस्तेमाल करके 'मेमोरी टेस्ट' किया गया और पता चला कि अधिक काले अक्षरों को याद रखना आसान था। जापानी कंपनी ने अपने प्रेस रिलीज में लिखा, 'जब हमने अलग-अलग रंगों के बॉलपॉइंट पेन के साथ अक्षरों के याद रखने के परफॉर्मेंस की तुलना की, तो हमने पाया कि यूनी-बॉल वन के गहरे काले जेल के साथ लिखे गए करेक्टर्स में सामान्य जेल स्याही के साथ लिखे गए अक्षरों की तुलना में हायर करेक्ट आंसर रेट और हायर रीकॉल रेट थी।' अगर मित्सुबिशी पेंसिल कंपनी लिमिटेड कंपनी की प्रेस रिलीज को आसान शब्दों में समझे तो इस पेन से लिखा कंटेंट लोगों को आसानी होगी। यदि सच में ऐसा है तो यह पेन स्टूडेंट ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों के लिए बहुत ही यूजफुल साबित होगा।

# हर साल नावों से धकेलना पड़ता है यह तैरता हुआ द्वीप, लोगों के लिए बन जाता है सिरदर्द?

अमेरिकी राज्य विस्कॉन्सिन में 'चिप्पेवा' नाम की एक झील है। जिसमें एक तैरता हुआ 'द्वीप' पाया जाता है। यह द्वीप 40 एकड़ में फैला हुआ है, जिसकी सतह दलदली है। यही वजह है कि इस द्वीप को 'चिप्पेवा फ्लोएज फ्लॉटिंग बोग' भी कहा जाता है। अपने आप में यूनिक यह 'द्वीप' कभी-कभी लोगों के लिए परेशानी का सबब बन जाता है, जिस कारण उनको इस द्वीप को हर साल नावों से धकेलना पड़ता है। आखिर क्यों धकेलना पड़ता है यह द्वीप?- ओडिटीसेंट्रल। कॉल की रिपोर्ट के अनुसार, चिप्पेवा झील पर एक महत्वपूर्ण पुल बना हुआ है। यह पुल के झील के पूर्वी और पश्चिमी किनारों को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। कभी-कभी यह पुल इस तैरते हुए द्वीप के कारण रुक जाता है। जिससे उस पुल से होने वाली लोगों की आवाजाही बाधित हो जाती है। साथ ही स्थानीय नाव चालकों को भी पुल तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी कारण उनको हर साल इस द्वीप को नावों से धकेलना पड़ता है। लगभग हर साल दर्जनों स्थानीय नाव मालिक मिलकर इस द्वीप को झील के पूर्व और पश्चिमी किनारों को जोड़ने वाले पुल से दूर धकेलते हैं। इसके लिए सभी लोगों के प्रयास की जरूरत होती है और तब जाकर इस तैरते हुए द्वीप को पुल से हटाया जाता है। स्थानीय व्यक्ति डेनी रेयेस ने कहा, 'जब आप सुबह यहां आते हैं तो यह पहली चीज़ों में से एक है जिसे आप देखते हैं- दलदल कहां है?' हालांकि यह द्वीप हर समय तैरता हुआ प्रतीत नहीं होता है। चिप्पेवा फ्लोएज वेबसाइट के अनुसार, झील के अनोखे तैरते हुए इस द्वीप पर कई पेड़ लगे हुए हैं। जब तेज हवा चलती है तब ये पेड़ पाल की तरह काम करते हैं, जिससे द्वीप तैरने लगता है। लेकिन जब भी ऐसा होता है, तो यह एक महत्वपूर्ण पुल को रोक देता है। जिससे यह द्वीप लोगों के लिए सिर दर्द बन जाता है। उनके पास नावों से इस द्वीप को हटाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता है। पिछले साल तैरते द्वीप को पुल से दूर धकेलने के लिए 25 नावों का इस्तेमाल किया गया था।

# वन नेशन वन इलेक्शन नहीं वन नेशन वन एजुकेशन जरूरी : केजरीवाल

## » आप ने बोला हमला- डर गई है मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। पूरे देश में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर चर्चा हो रही है। इसी के चलते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि देश के लिए क्या जरूरी है, वन नेशन वन इलेक्शन या फिर वन नेशन वन एजुकेशन। अरविंद केजरीवाल ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि, देश के लिए क्या जरूरी है?

वन नेशन वन इलेक्शन या वन नेशन वन एजुकेशन (अमीर हो या गरीब, सबको एक जैसी अच्छी शिक्षा), वन नेशन वन इलाज (अमीर हो या गरीब सबको एक जैसा इलाज) आम आदमी को वन नेशन वन इलेक्शन से क्या मिलेगा? आम आदमी पार्टी के मंत्री सौरभ भरद्वाज ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार डर गई है। वो किसी तरह से जीतना चाहती है। इंडिया गठबंधन के अस्तित्व में आने के बाद वो किसी तरह से जीतना चाहती हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि केंद्र सरकार ने संसद का जो विशेष सत्र बुलाया है, उसमें वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर चर्चा हो सकती है। हालांकि भाजपा नेता सुशील मोदी ने कहा है कि संसद के इस विशेष सत्र में वन नेशन वन इलेक्शन बिल आने की उम्मीद नहीं है।

## वन नेशन, वन इनकम की नीति लाए सरकार : दिग्विजय सिंह

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वन नेशन, वन इलेक्शन की बात कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वन नेशन, वन इनकम की बात करनी चाहिए। यह बातें पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इंदौर में कहीं। वे यहां पर एक दिवसीय दौरे के लिए आए। एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा से दुखी होकर कई वरिष्ठ नेता कांग्रेस में शामिल हो रहें हैं। दिग्विजय सिंह ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वन नेशन वन इलेक्शन के लिए जो कमेटी बनाई गई है उसमें पूर्व राष्ट्रपति को मुख्य काम दिया गया है। इस पर दिग्विजय सिंह ने साफ कहा कि इससे पहले किसी भी पूर्व राष्ट्रपति को इतना हल्का काम नहीं दिया गया है। इस तरह का काम राष्ट्रपति को देना उनका अपमान करना है। वन नेशन, वन इलेक्शन भारतीय संविधान पर एक बहुत बड़ा हमला है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जन आशीर्वाद यात्रा पर तंज कसते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि जब चुनाव आ रहे हैं तो उससे पहले उन्हें यात्राएं याद आ रही हैं। अब भाजपा सरकार को जनता की याद आ रही है।

### देश में अमीरी गरीबी के बीच खाई बढ़ती जा रही

दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश में आज अमीरी गरीबी के बीच खाई तेजी से बढ़ती जा रही है। सरकार इस पर क्यों कुछ नहीं कर रही है। आज तेजस्वी यादव ने एक काफी अच्छा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि वन नेशन वन इलेक्शन से अच्छा केंद्र सरकार वन नेशन, वन इनकम करके दिखाए और अमीरी-गरीबी के बीच जो खाई बनी हुई है, उसे खत्म करके दिखाए। आज देश को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

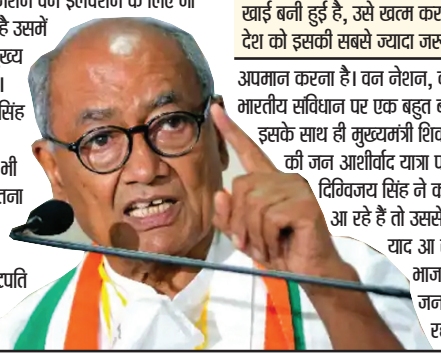

## मराठा आरक्षण की मांग करने वालों पर लाठी चार्ज का आदेश किसने दिया : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवेसना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के के नेता व राज्यसभा के सदस्य संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार से सवाल किया कि आखिरकार पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के जालना जिले में मराठा आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज का आदेश किसने दिया था।

मराठा आरक्षण की मांग के दौरान जालना में प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज किए जाने की घटना के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समुदाय की मांगों पर चर्चा करने के लिए मराठा आरक्षण पर राज्य की कैबिनेट उप समिति की बैठक करेंगे। साथ ही उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मराठा समुदाय की मांगों पर चर्चा करने के लिए चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे पाटिल को फोन किया। इससे पहले, फडणवीस ने फोन पर पाटिल को आश्वासन दिया कि जालना में हुई घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। वहीं, मनोज जारांगे पाटिल की भूख हड़ताल को लेकर हिंसा भड़कने के दो दिन बाद, राज्य सरकार ने उन्हें वार्ता के लिए आमंत्रित किया है।

फोटो: 4पीएम

**प्रदर्शन** कृषि निदेशालय पर पांच माह के मानदेय भुगतान की मांग को लेकर पारदर्शी किसान सेवा वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले प्रदेश भर से आए कंप्यूटर ऑपरेटर ने किया प्रदर्शन।

# देश को बिखरने से बचाने की कोशिश में लगे राहुल गांधी : तारिक

## » मजहबी उन्माद फैलाने वालों को रोकना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री तारिक अनवर ने कहा कि कुछ पार्टियां मजहबी उन्माद फैलाना चाहती हैं। इन्हें रोकना होगा। वह लखनऊ में आयोजित सद्भावना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में राहुल गांधी आगे आए हैं। उन्होंने महसूस किया कि यह सब ऐसा ही चलता रहा तो देश बिखर जाएगा। टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा।

उन्होंने देश की जनता के दिलों को जोड़ने का अभियान चलाया है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक करीब चार हजार किलोमीटर यात्रा की। लोगों से संपर्क स्थापित किया। हर समुदाय के लोगों से मिले और भविष्य के खतरे से आगाह किया। अब सभी को एकजुट होकर इस अभियान के लिए साथ आना होगा।

### हमें हर धर्म का सम्मान करना चाहिए : संजय सिंह

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए वाली टिप्पणी पर आप नेता संजय सिंह ने कहा कि भारत में अलग-अलग धर्म, जातियां और भाषाएं हैं। यह हमारी खूबसूरती है कि इसके बावजूद हम एक साथ रहते हैं। उदयनिधि के बयान पर मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि भारत में हमें हर धर्म का सम्मान करना चाहिए और किसी को भी दूसरे के धर्म पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

### मेरे खिलाफ केस दर्ज करो, मैं तैयार हूं : उदयनिधि

उदयनिधि स्टालिन के सनातन को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ एक वकील ने दिल्ली पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। इस पर स्टालिन ने कहा कि अगर उनके बयान को लेकर कोई केस दर्ज किया जाता है तो वह इसके लिए तैयार हैं। उदयनिधि ने कहा, सनातन क्या है? सनातन का अर्थ है कुछ भी बदला नहीं जाना चाहिए और सभी स्थायी हैं। लेकिन द्रविड़ मॉडल बदलाव की मांग करता है और सभी को समान होना चाहिए। बीजेपी इंडिया अलायंस से डरी हुई है और उसी को भटकाने के लिए वे यह सब कह रहे हैं..डीएमके की नीति एक कुल, एक भगवान की है।

# एशिया कप टीम से ही छंटेगी वर्ल्डकप टीम

## » 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान जल्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। माना जा रहा है कि वर्तमान में जारी एशिया कप के लिए जिस 18 सदस्यीय टीम का चयन हुआ है उसी टीम में से खिलाड़ियों का चयन पक्का है। इस टीम में से तीन खिलाड़ियों को हटाया जाएगा और वनडे वर्ल्डकप के लिए टीम का चयन होगा। पूरा भारत और क्रिकेट प्रेमी अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी वनडे वर्ल्डकप को लेकर बेहद उत्साहित है।

भारत में होने वाले इस वर्ल्ड कप के लिए अब तक 15 सदस्यीय टीम का ऐलान नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि जल्द ही 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया जाएगा। माना जा रहा है कि वर्तमान में जारी एशिया कप के लिए जिस 18 सदस्यीय टीम का चयन हुआ है उसी टीम में से खिलाड़ियों का चयन पक्का है। इस टीम में से तीन खिलाड़ियों को हटाया जाएगा और वनडे वर्ल्डकप के लिए टीम का चयन होगा। एशिया कप के लिए बीसीसीआई ने 18 सदस्यों की टीम की घोषणा की है। मगर इसी टीम में से तीन खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा और बाकी टीम को वनडे विश्व कप में खेलने का मौका मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज तिलक वर्मा, तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें विश्व कप की टीम से बाहर होना पड़ेगा। इन्हें टीम में मौका नहीं मिला है।

### फिट हैं केएल राहुल

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को बीसीसीआई की मेडिकल टीम में पूरी तरह से फिट घोषित किया है। माना जा रहा है कि एशिया कप के लिए केएल राहुल श्रीलंका में टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे। वहीं माना जा रहा है कि वनडे वर्ल्डकप के लिए भी केएल राहुल का रास्ता साफ हो गया है। वनडे वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम में सात बल्लेबाजों को शामिल किया गया है जिसमें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल और ईशान किशन शामिल है। वो टीम में तीन ऑलराउंडर, एक स्पिनर और चार तेज गेंदबाज शामिल किए गए है। इसमें अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा का नाम है। टीम में मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह को तेज गेंदबाज के तौर पर जगह मिली है।

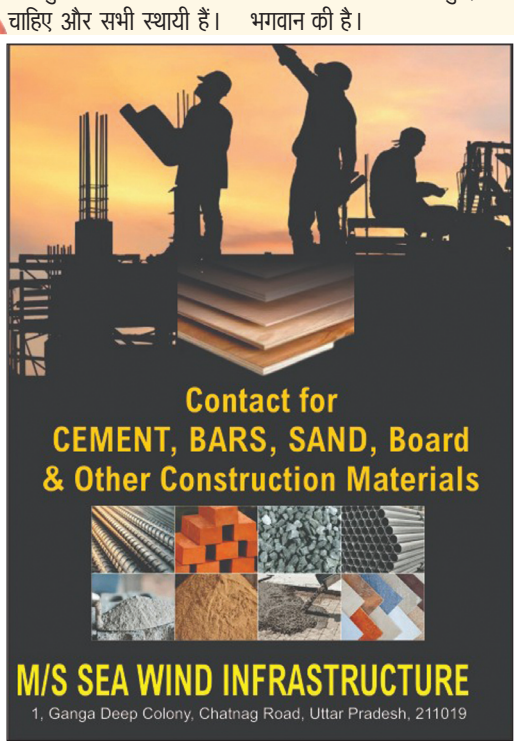

# सरकार बनाने में मैंने भी मदद की : उमा भारती

## भाजपा पर भड़कीं मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। भारतीय जनता पार्टी द्वारा निकाली जा रही जनआशीर्वाद यात्रा में नहीं बुलाए जाने से पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती बेहद नाराज हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योदिरात्य सिंधिया को लेकर शिवराज सिंह चौहान सरकार पर निशाना भी साधा है। उमा भारती ने कहा कि अगर सिंधिया ने भाजपा की सरकार बनाने में मदद की है तो मैंने भी 2003 में प्रदेश में पार्टी की सरकार बनाकर दी थी। इसके अलावा, 2020 में हुए उपचुनाव में भी मैंने पार्टी के लिए प्रचार किया किया था और 28 में से 22 उम्मीदवार को जीत दिलाई थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इसके बावजूद वे राज्य में भाजपा की सरकार बनाने के लिए प्रचार करेंगी।**

उन्होंने कहा,मुझे कोरोना हो गया था। मैं 11 दिन तक घर से बाहर नहीं निकल पाई थी। भाजपा ने मुझसे कहा कि आप प्रचार करें। मैंने मना नहीं किया। मैंने प्रचार किया और 28 में से 22 सीटों पर पार्टी उम्मीदवार को जीत मिली। वे कम से कम यात्रा में बुलाने की औपचारिकता तो निभाते। उनको लगता होगा कि अब तो हम सरकार बना लेंगे। यदि मैं आई तो जनता का ध्यान मुझ पर रहेगा। हालांकि, अगर वे मुझे प्रचार में बुलाएंगे तो मैं भाजपा का प्रचार करूंगी। उमा भारती ने लोगों से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने की अपील की। हालांकि, यह भी कहा कि हम गांधीजी, पंडित दीनदयाल और पीएम मोदी के आदर्शों पर चलने के लिए पार्टी को विवश करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनाने के लिए मैं फिर मेहनत करूंगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी से अनुरोध है कि अपना वोट भाजपा को दें, लेकिन हर उम्मीदवार भी यह वचन ले कि सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाएंगे और सरकारी अस्पतालों में अपना और अपने परिवार का इलाज कराएंगे।

### अपने ही नेताओं का अपमान करती है बीजेपी : सुरजेवाला

हालांकि विपक्षी कांग्रेस ने कहा कि यह स्पष्ट संकेत है कि भाजपा को सुर्खियों में लाने वाले राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी नेताओं में से एक उमा भारती को दरकिनार किया जा रहा है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा अपने नेताओं का अपमान करती है।इस मामले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, पार्टी ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी को किनारे कर दिया, हमारी संस्कृति में भगवान भी उस व्यक्ति को माफ नहीं करता है जो बड़ों का सम्मान नहीं करता है।

# विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे पर सुप्रीम कोर्ट में उठा मामला

## आर्टिकल-370 मामले की सुनवाई जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में जम्मू कश्मीर में आर्टिकल-370 निरस्त किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। सुनवाई के दौरान जब कोर्ट में याचिकाकर्ता मोहम्मद अकबर लोन मौजूद थे तब पाकिस्तान का नाम लेते हुए एक नया मोड़ सामने आया है, कश्मीरी पंडितों के एनजीओ रूट्स इन कश्मीर ने नेशनल कांफ्रेंस के सांसद मोहम्मद अकबर लोन के रवैये को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।**

एनजीओ ने मोहम्मद अकबर लोन के भारत विरोधी रवैये का मामला कोर्ट में उठाया, एनजीओ रूट्स इन कश्मीर के एडवोकेट ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अकबर लोन ने राज्य विधानसभा में 2018 में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया था, इसके बाद सॉलिसीटर जनरल ने भी मांग की कि कोर्ट अकबर लोन से एक हलफनामा मांगे जिसमें वह अलगाववाद और पाकिस्तान की आतंकवादी हरकतों का विरोध करें। एनजीओ ने 11 फरवरी 2018 के अखबारों की कुछ प्रतियां भी कोर्ट के सामने रखी। एनजीओ ने कहा, अकबर लोन एक संसद सदस्य हैं, लोन मीडिया को संबोधित करते समय खुद को एक भारतीय कहने में झिझक महसूस करते हैं, लोन अपनी राजनीतिक रैलियों में पाकिस्तान समर्थक भावनाएं फैलाने के लिए भी जाने जाते हैं।

# तीन मंजिला इमारत गिरने से दो की मौत

## कई लोग फंसे, बचाव अभियान जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक बहुमंजिला इमारत गिर गई। मलबे में दबकर दो लोगों की मौत हो गई। अभी कई लोग फंसे होने की संभावना है। 12 लोगों को बचा लिया गया है। बचाव अभियान चल रहा है। बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में सोमवार की भोर करीब चार बजे एक तीन मंजिला मकान ढह गया। जिस समय हादसा हुआ मकान में और उसके आसपास करीब 12 लोग सो रहे थे।**

हादसे के बाद एसपी दिनेश कुमार सिंह, सीडीओ एकता सिंह, एडीएम अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगो ने रेस्क्यू शुरू किया। 12 लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया, जबकि आठ लोगों को लखनऊ रेफर कर दिया गया। मलबे में तीन और लोगो के फंसे होने की आशंका के चलते एनडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई है। फतेहपुर कस्बे में नगर पंचायत कार्यालय के सामने मोहल्ला काजीपुर वार्ड 2 में हाशिम का तीन मंजिला मकान बना हुआ था, जो सुबह करीब 3 बजे पूरी तरह से ढह गया। अचानक हुए हादसे की जानकारी मिलते ही तमाम अधिकारी कई थानों की पुलिस फोर्स और एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मलबे में दब लोगों को बाहर निकाल कर जिला अस्पताल भेजा गया। इनमें हाशिम की पुत्री रोशनी (22) और हकीमुद्दीन (25) पुत्र इस्लामुद्दीन की मौत हो गई। जबकि हाशिम की पत्नी शकीला (55), पुत्री जैनब (10) , महक (12), पुत्र समीर (18), सलमान (25), सुलतान (28), जफरुल हसन (35) पुत्र इस्लामुद्दीन और उसकी मां उम्मे कुलसुम (60) को गंभीर चोटें आई। आनन फानन सभी घायलों को जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया। इनमें इस्लामुद्दीन हाशिम के पड़ोसी हैं जिनका परिवार घर के बाहर सो रहा था और इमारत ढहने के दौरान मलबे की चपेट में आकर घायल हो गया। अभी दो और लोगो के मलबे में फंसे होने की आशंका है। एसपी बाराबंकी दिनेश सिंह ने बताया है कि यह हादसा करीब 3:00 बजे हुआ है। घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू शुरू कर दिया गया था लखनऊ से एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई है।

फोटो :4 पीएम

**धरना** हापुड़ में हुई घंटना को लेकर वकीलों का लखनऊ स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे पर प्रदर्शन आज भी जारी रहा। काफी संख्या में वकील एकत्र होकर मुख्यमंत्री आवास जाने की कोशिश की। पुलिस फोर्स ने बैरिकेडिंग कर अधिवक्ताओं को रोक दिया। अधिकारियों ने वकीलों से बात कर मांग पूरी करने का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद वकीलों का प्रदर्शन समाप्त हो गया।

# 'विक्रम' लैंडर की एक बार फिर सॉफ्ट लैंडिंग

## इसरो ने दी जानकारी चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के कुछ दिनों बाद, विक्रम लैंडर फिर से चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट-लैंडिंग कर चुका है, इसरो ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के 'विक्रम लैंडर की एक बार फिर सॉफ्ट लैंडिंग कराई, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा, विक्रम लैंडर ने चंद्रयान-3 मिशन के उद्देश्यों से ज्यादा काम किया है और हॉप एक्सपेरिमेंट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।**

इसरो ने कहा, कमांड मिलने पर 'विक्रम ने इंजनों को 'फायर किया, अनुमान के मुताबिक, करीब 40 सेंटीमीटर तक खुद को ऊपर उठाया और आगे 30-40 सेंटीमीटर की दूरी पर सुरक्षित लैंड किया। सोमवार को एक एक्स पोस्ट में इसरो ने जानकारी दी कि चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने फिर से चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की। दरअसल विक्रम लैंडर ने सफलतापूर्वक होप टेस्ट यानी जंप टेस्ट किया। इस प्रक्रिया को एजेंसी ने किक-स्टार्ट बताया है। इसरो ने बताया कि भविष्य में लैंडर के वापस लौटने और मानव मिशन के लिए इस प्रयोग के बेहद मायने हैं। इस प्रयोग के बाद लैंडर विक्रम के सभी सिस्टम सामान्य तौर पर काम कर रहे हैं। टेस्ट के दौरान लैंडर पर पेलोड चास्टे और आईएलएसए को कमांड देकर फोल्ड किया गया और सॉफ्ट लैंडिंग के बाद फिर से तैनात किया गया। इसरो ने बताया कि इस प्रयोग के साथ ही चंद्रयान-3 मिशन ने उम्मीद से बढ़कर काम किया है।

### रोवर का काम पूरा

बता दें कि चंद्रयान-3 अपने उद्देश्य पूरे कर चुका है और इसका मिशन लगभग पूरा हो गया है। चांद पर अब रात ढलने लगी है और जल्द ही वहां अंधेरा हो जाएगा। इसरो ने बताया कि प्रज्ञान रोवर अपना काम पूरा कर चुका है और उसे सुरक्षित जगह पार्क कर स्लीप मोड में सेट किया गया है। चांद पर धरती के 14 दिन के बराबर एक दिन होता है और इतनी ही बड़ी रात होती है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर रात के समय तापमान माइनस 238 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। ऐसे में इतने कम तापमान में रोवर और लैंडर काम नहीं कर पाएंगे। जब चांद पर रात बीत जाएगी तो लैंडर और रोवर को फिर से सक्रिय करने की कोशिश की जाएगी लेकिन इसकी उम्मीद कम है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।